नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

वर्तमान समय में शिक्षकों के दायित्व एवं कर्तव्य पर संगोष्ठी
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग का आयोजन

वर्धा 05 सितम्बर, 2017:महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग में शिक्षक दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'वर्तमान समय में शिक्षकों के दायित्व एवं कर्तव्य' था। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, डॉ. डी. एन. प्रसाद और डॉ. चित्रा माली के द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विभाग के पी-एच.डी. शोधार्थी शिव गोपाल ने किया । इस

विभाग के एम.फिल. शोधार्थी सुमंत मिश्र ने राधाकृष्णन पर जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। एम.फिल. शोधार्थी विजय शंकर चौधरी ने शिक्षकों के दायित्व पर बोलते हुए कहा कि शिक्षकों को चरित्रवान एवं अनुशासन प्रिय होना चाहिए। शिक्षक वही हो जिनका सिर्फ अध्ययन और अध्यापन उनके जीवन का मिशन हो एवं शिक्षक को अपने विषय के ज्ञान के अतिरिक्त उनमें ऐसी क्षमता विकसित हो जिससे की समाज एवं राष्ट्र के प्रति जागरुकता प्रदान करवा सकें। परंपरागत ज्ञान एवं आधुनिक ज्ञान के बीच कड़ी का काम शिक्षक के द्वारा ही संभव है। शोधार्थी रवि शंकर ने गुरु के महत्वपर प्रकाश डाला। शोधार्थी प्रदीप कुमार ने गुरु के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान शिक्षकों की क्या भूमिका हो इसपर भी विस्तार से अपना विचार व्यक्त किया। शोधार्थी धनलता काबंले, शिवाजी जोगंदड, अरविन्द,

संजय देशमुख और निशा राय ने भी अपने विचार रखे। डॉ. चित्रा माली ने वर्तमान दौर में शिक्षा के बदलते आयाम एवं उसका छात्र पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तार से वर्णन किया। डॉ. डी. एन. प्रसाद ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिक्षा वह है जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है।

विभागाध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं कार्य पर प्रकाश डाला और छात्रों को उनके जीवन चरित्र को अपने अंदर आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया। उक्त अवसर पर प्रो. मोदी ने राधा कृष्णन के शिक्षकत्व को स्मरण करते हुए कहा कि एक सच्चा शिक्षक वह होता है जो शिष्य से पराजय चाहता है तथा सच्चा माता-पिता वह होता है जो अपने संतान से पराजय चाहता है।